

प्रेषक,

एस. राजू,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,  
हल्द्वानी-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-04

देहरादून दिनांक 25 जून, 2014

विषय-पिछड़ी जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या:-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18.03.2014 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पिछड़ी जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष के लेखाशीर्षक 2225-अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण, 03-पिछड़े वर्गों का कल्याण, 277-शिक्षा, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना, 03-अन्य पिछड़ी जातियों के दशमोत्तर कक्षा में अध्ययनरत छात्रों को छात्रवृत्ति योजना में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष संलग्न एलोटमेंट आई0डी संख्या-S1406150160 दिनांक 23.06.2014 के अनुसार ₹785.54 लाख (रुपये सात करोड़ पिचासी लाख चौवन हजार मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर आवंटित करते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या:-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 तथा शासनादेश संख्या-80/अ.मु.स./पी.ए./2014-15 दिनांक 23.04.2014 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत स्वीकृत धनराशि छात्रों के बैंक खातों में ही जमा की जानी आवश्यक होगी।
3. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेंजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में सम्पूर्ण मुख्य/लाघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी ओर लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
5. संलग्न में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति के साथ-साथ लाभान्वित हुये लाभार्थियों की संख्या से प्रत्येक माह शासन को अवगत कराया जाए।
6. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाय और किराी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यान्वयन के लिए न किया जाय।



7. सीमित वित्तीय संसाधनों को दृष्टिगत रखते हुए निम्नांकित वरीयता क्रम में शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्रों को जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय अधिकतम एक लाख रुपये है, के आधार पर आरोही क्रम में सूची तैयार करने के पश्चात पहले निर्धनतम छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति उनके द्वारा बैंक में खोले गये बचत खाते में सीधे अन्तरित की जाय :-
  - (क) सर्वप्रथम उपलब्ध धनराशि से केन्द्र/राजकीय तथा सरकार से सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थाओं में शैक्षणिक कोर्स हेतु (इण्टरमीडिएट, स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम यथा बी०ए०, बी०कॉम, बी०एस०सी०, एम०ए०, एम०कॉम, एम०एस०सी० आदि) के छात्र/छात्राओं, तत्पश्चात केन्द्र अथवा राज्य सरकार के विभागों/निकायों द्वारा संचालित राजकीय शिक्षण संस्थानों व राजकीय स्वायत्तशासी शिक्षण संस्थानों में व्यवसायिक/तकनीकी शिक्षा में अध्ययनरत छात्र/छात्रायें।
  - (ख) केन्द्र अथवा किसी राज्य सरकार से शासकीय सहायता प्राप्त निजी क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र/छात्रायें।
  - (ग) निजी क्षेत्र के ऐसे संस्थान जिनकी शुल्क संरचना केन्द्र अथवा राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित है, में काउंसिलिंग के माध्यम से कॉमन टेस्ट के आधार पर सरकारी फ्री सीट के सापेक्ष प्रवेश पाकर अध्ययनरत छात्र/छात्रायें।
  - (घ) यदि उपरोक्त (क) से (ग) तक के अनुसार छात्र/छात्राओं को वितरण के पश्चात छात्रवृत्ति की धनराशि अवशेष रहती है, तो उसके पश्चात अन्य पिछड़ा वर्ग के जो पात्र छात्र/छात्रा प्रदेश के बाहर अध्ययनरत हैं, उन छात्र/छात्राओं को पात्रता के आधार पर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति की जाये।
8. अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र छात्रों को सीमित वित्तीय संसाधनों के दृष्टिगत निर्धारित मदों में शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाये। उसके सन्दर्भ में यदि समान आय सीमा के एक से अधिक आवेदक होने की स्थिति में पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में छात्रवृत्ति आवेदकों द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्राप्त रैंकिंग (Ranking) तथा द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष आदि में छात्रवृत्ति प्रदान किये जाने के लिए विगत वर्षों में प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर श्रेष्ठता प्राप्त छात्र को अवरोही क्रम में छात्रवृत्ति प्रदान की जाये।
9. पिछड़ी जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पात्र छात्रों को भुगतान/प्रतिपूर्ति की जाने वाली धनराशि स्वीकृत किये जाने से पूर्व यह पुष्टि कर ली जाये कि उक्त मदवार धनराशि प्रत्येक दशा में विद्यालयी शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क के ही अनुरूप हो।
10. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
11. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उपर्युक्त निर्देशों का भी कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
12. वित्तीय स्वीकृतियों के समय व्यय के अनुश्रवणकी नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि किसी मामले में बजट प्राविधान से अधिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे तत्काल शासन के संज्ञान में लाया जाय। बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को प्रतिमाह विलम्बतम 20 तारीख तक पूर्व तक व्यय बचत सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
13. नियंत्रणाधीन विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत आय तथा व्यय के आंकड़ों का मिलान प्रत्येक त्रैमास में महालेखाकार से कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।
14. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियमवाली), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
15. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
16. उपरोक्तानुसार निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।



17. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष के अंतर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित मुख्य लेखाशीर्षक 2225-अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण, 03-पिछड़े वर्गों का कल्याण, 277-शिक्षा, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना, 03-अन्य पिछड़ी जातियों के दशमोत्तर कक्षा में अध्ययनरत छात्रों को छात्रवृत्ति की सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जाएगा।

18. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-531(P)/XXVII(I)/2014-15 दिनांक 20.06.2014 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न- यथोक्त।

भवदीय,

(एस. राजू)  
प्रमुख सचिव।

संख्या: 802 (1)/XVII-4/2014- 10 ( 86 )/2014 तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, सचिवालय उत्तराखण्ड देहरादून।
- ✓ 3. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(एस. राजू)  
प्रमुख सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015

Secretary, Social Welfare (S045)

आवंटन पत्र संख्या -

807

/XVII-4/2014-10(86)/2014

अनुदान संख्या - 015

अलोटमेंट आई डी - S1406150160

आवंटन पत्र दिनांक - 23-Jun-2014

HOD Name - Director Social Welfare (4708)

1: लेखा शीर्षक

2225 - अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन

03 - पिछड़े वर्गों का कल्याण

277 - शिक्षा

01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ

03 - ओ0बी0सी0, डी0एन0टी0 तथा अर्धधूमन्तु जनजाति ह

Non Plan Voted

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
21 - छात्रवृत्तियाँ और छात्रवेतन	0	78554000	78554000
	0	78554000	78554000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

78554000